

भारत में दी मंकीपाँक्स ने दस्तक





South First 
@TheSouthfirst · Follow



#Kerala Health Minister @VeenaGeorge03 confirmed today that a 38-year-old man from the UAE, who had been undergoing treatment for Mpox-like symptoms, has tested positive for #Mpox in Malappuram district.

The individual is currently under isolation and receiving care. The Health... [Show more](#)

Sl. No	District	Isolation Facility (Hospital)	Isolation Facility Nodal Officer	Contact Number of Isolation Facility Nodal Officer	District Nodal Officer	Contact Number
1	Thiruvananthapuram	GH TRIVANDRUM	Dr. Divaya Sdasivan	9400489862	Dr. Anil Kumar L	9847387177
2	Kollam	DH Kollam	Dr. Filson Alphonse	9656101920	Dr. H. Veena Saroji	94478 19437
3	Pathanamthitta	THQH Thiruvalla	Dr. Biju N	9846111765	Dr. Nandini C S	7593864224
4	Idukki	DH Thodupuzha	Dr. Aji P N	9447587644	Dr. Jobin G Joseph	9745350926
5	Kottayam	GH Pala	Dr. Shanu	9496341404	Dr. Jessy Joy Sebastian	9447062783
6	Alappuzha	MCH Alappuzha	Dr. Bhalavan	9496815903	Dr. Dileep Kumar S R	8075676349
7	Ernakulam	GMC EXM DH Aluva	Dr. Sandhya George Dr. Smiji George	9447570936 9387366096	Dr. Asha K K	9846538700
8	Thrissur	DH Wadakanchery	Dr. Saji Subair	7907773646	Dr. Satish K.N	9447618450
9	Palakkad	DH Palakkad	Dr. Sona Nariman	9446074423	Dr. Geethu Maria Joseph	99167 95044
10	Malapuram	GMCH Manjeri	Dr. Santhosh	9995415894	Dr. Shubin.C	9895567460
11	Kozhikode	GMCH Kozhikode	Dr. Aquil	9895671695	Dr Mohandas	9496710370
12	Wayanad	DH Mananthavady	Dr. Arjun	9400444701	Dr. Dineesh P	9847172740
13	Kannur	GMC Kannur	Dr. Pramod	9447641309	Dr. Sachin KC	9496469913
14	Kasargode	DH Kanhangad	Dr. Rijith Krishnan	9497896399	Dr. Santhosh B	8281660677

Last edited 6:11 PM · Sep 18, 2024



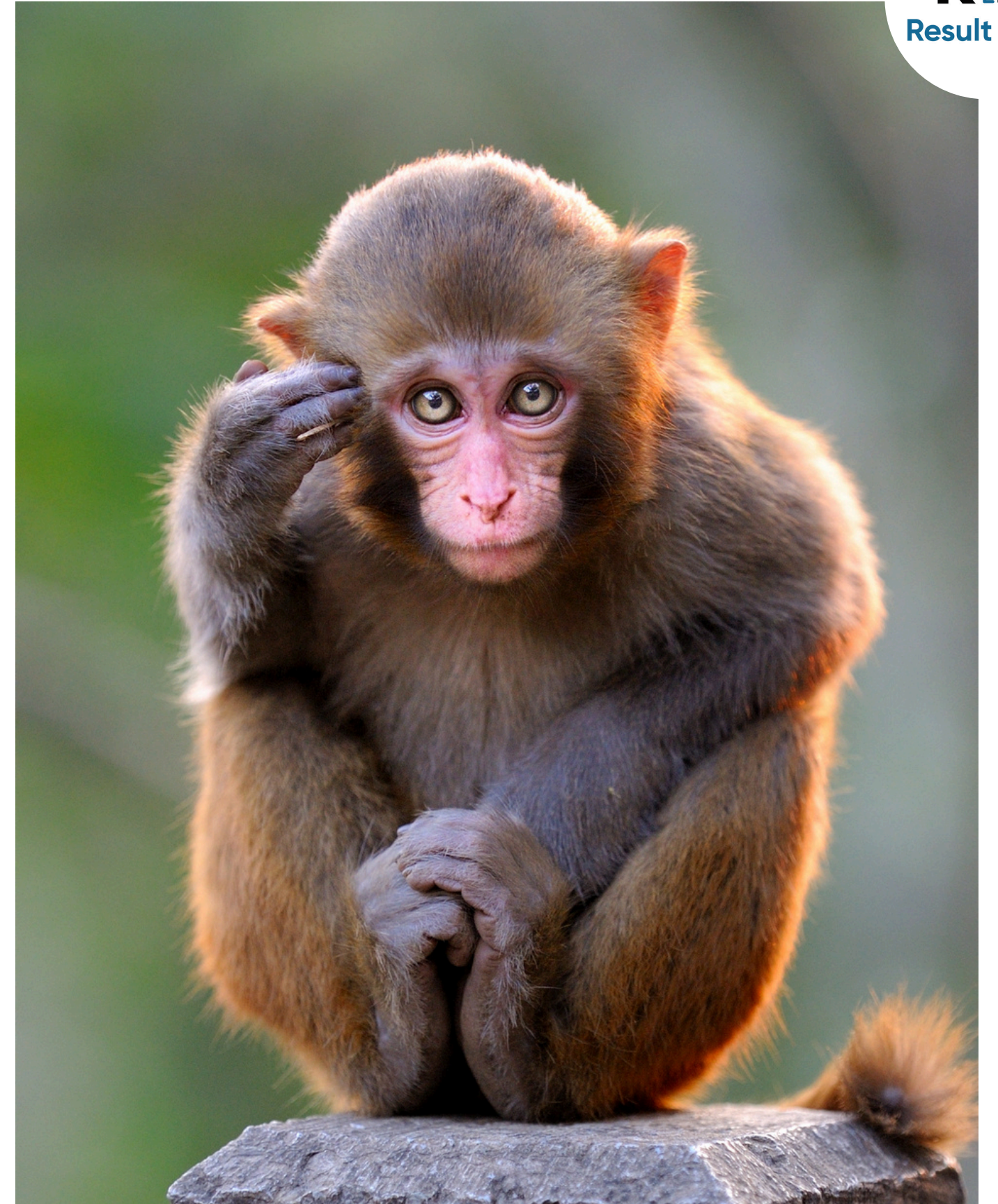
केरल के स्वास्थ्य विभाग ने मंकीपाक्स के भारत में दूसरे केस की पुष्टि की।

राज्य स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने 17 सितंबर को केरला के उत्तरी मलप्पुरम जिले के मंजेरी मेडिकल कॉलेज में UAE से लौटे 38 वर्षीय युवक में मंकीपाक्स के लक्षणों की पुष्टि की।

- केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा 8 सितंबर दी गई जानकारी के अनुसार, हाल ही में विदेश से लौटे एक युवक को **MPOX** के संदेह पर हॉस्पिटल में आइसोलेट किया गया है।

बीमारी का नाम बंदरों से कैसे जुड़ा ?

- मंकीपॉक्स एक जुनोटिक डिजीज - अर्थात् यह जानवरों और इंसानों के बीच फैल सकती है।
- इसका पहला मामला 1958 में डेनमार्क में सामने आया, तब बंदरों में इसका वायरस मिला। यही कारण है कि इस बिमारी का नाम मंकीपॉक्स पड़ा।
- अमेरिकन हेल्थ एजेंसी सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन की रिपोर्ट के अनुसार इस बिमारी को पहले मंकीपॉक्स के नाम से जाना जाता था, लेकिन बाद में इसका नाम **MPOX-I** .
- इंसानों में **MPOX** का पहला मामला 1970 में लोकतांत्रिक गणराज्य कांगों में एक 9 माह के बालक में पाया गया।



मंकीपाँक्स के लक्षण

- त्वचा में ललाहट, रैशेज, ला दाने, बुखार, कमजोरी, सिरदर्द इत्यादि।
- WHO ने मंकीपाँक्स को वर्ल्ड हेल्थ इमरजेंसी घोषित किया
- पिछले 2 वर्षों में यह दूसरी बार जब WHO ने मंकीपाँक्स को वर्ल्ड हेल्थ इमरजेंसी घोषित किया।
- मंकीपाँक्स एक संक्रामक बीमारी, जो संक्रमित व्यक्ति सम्पर्क में आने से फैलता है।

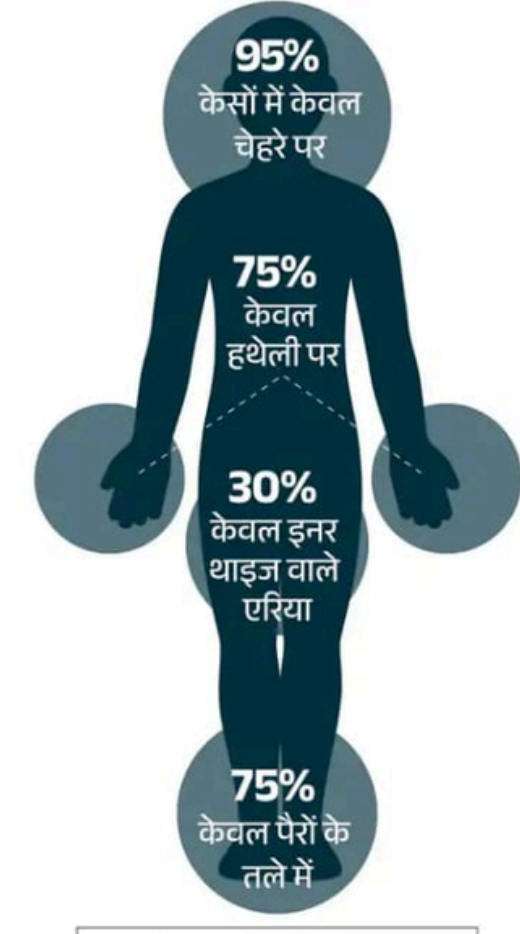


मंकीपाँक्स के शुरुआती लक्षण



एमपाँक्स के लक्षण क्या हैं

एमपाँक्स से बॉडी में रैशेज यानी लाल चकत्ते पड़ने लगते हैं





एमपाॅक्स कैसे फैलता है



एमपाॅक्स वायरस संक्रमित जानवर या इंसान के साथ निकट संपर्क रखने वाले लोगों के साथ फिजिकल और सेक्सुअल कॉन्टैक्ट रखने से फैल सकता है।

इनके जरिए फैल सकता है मंकीपाॅक्स

महामारी

- संक्रमण की दर, फैलने की दर बहुत तीव्र
- MPOX के 2 जीन
 1. Clade-I = केंद्रीय व पूर्वी अफ्रीका
 2. Clade-II = पश्चिमी अफ्रीका



कपड़े



बिस्तर



तौलिए



बर्तन



सलाइवा



मां से बच्चे में



स्किन-टू-स्किन कॉन्टैक्ट

Source: WHO

एमपाॅक्स से बचाव के लिए



संक्रमित को छूने
से बचें



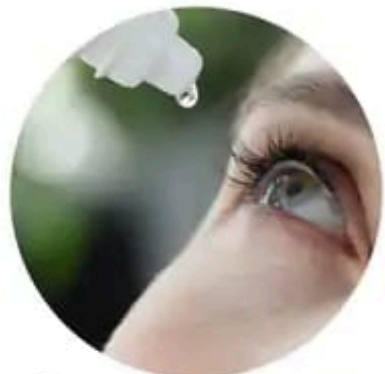
माउथवॉश का
उपयोग करें।



वैक्सीन लगवाएं



एंटी वायरल दवा लें



आई ड्रॉप का उपयोग करें।

(दवा एवं आईड्रॉप डॉक्टर की सलाह पर लें।)